भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3434
दिनांक 08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

उत्तर प्रदेश में जनजातियों के लिए स्वास्थ्य सेवाएं

3434. श्री राम शिरोमणि वर्माः

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार उत्तर प्रदेश के आकांक्षी जिलों, विशेषकर श्रावस्ती और बलरामपुर में रहने वाले थारू जनजातीय समुदाय को प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य देखभाल और परिवार कल्याण सुविधाओं पर विशेष ध्यान दे रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) क्या इन जिलों में थारू जनजाति के युवाओं और परिवारों को 'आयुष्मान भारत' योजना या अन्य स्वास्थ्य बीमा योजनाओं से लाभ हुआ है;
(ग) यदि हाँ, तो इन योजनाओं से अब तक कितने व्यक्ति लाभान्वित हुए हैं;
(घ) क्या इन जिलों में जनजातीय महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया गया है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ङ) क्या इन जिलों में कोविड-19 के बाद पुनर्वास और मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए कोई विशेष पहल की गई है; और
(च) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा और उसके प्रभाव क्या हैं?

उत्तर
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री प्रतापराव जाधव)

(क): स्वास्थ्य राज्य विषय होने के कारण, स्वास्थ्य सेवाएँ प्रदान करने की प्राथमिक जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्रों की होती है। तथापि, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत सभी राज्यों, जिनमें उत्तर प्रदेश भी शामिल है, को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और सुलभता में सुधार हेतु सहायता प्रदान की जाती है, जिसमें विशेष रूप से जनजातीय और पहाड़ी क्षेत्रों पर जोर दिया जाता है।

उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा प्रदान की गई जानकारी के अनुसार, श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों में थारू जनजातियों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। बलरामपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में थारू जनजाति समुदाय को देखभाल और परिवार कल्याण सेवाएँ प्रदान करने के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ), एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं का चयन किया गया है, जहाँ आम जनता को चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

(ख) और (ग): उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, श्रावस्ती जिले में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत अब तक कुल 791 लाभार्थियों में से 632 लाभार्थियों को गोल्डन कार्ड प्रदान किए जा चुके हैं। इसके अलावा, बलरामपुर जिले में थारू जनजाति प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में 6,270 व्यक्तियों को आयुष्मान भारत योजना का लाभ प्रदान किया गया है।

(घ): उत्तर प्रदेश सरकार ने सूचित किया है कि सभी स्वास्थ्य योजनाओं के अंतर्गत श्रावस्ती जिले में स्वास्थ्य सुविधाएँ प्रदान की जा रही हैं। साथ ही, बलरामपुर जिले में थारू जनजाति प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में जनजातीय महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं का निरंतर विस्तार किया जा रहा है, जिसमें चिकित्सा अधिकारी, पैरामेडिकल स्टाफ के साथ-साथ पर्याप्त उपकरण और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है।

(ङ) और (च): यह ध्यान में रखते हुए कि कोविड-19 का प्रभाव श्रावस्ती और बलरामपुर जिलों सहित जनजातीय समुदायों के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ सकता है, सरकार ने कोविड-19 के बाद मनोसामाजिक सपोर्ट प्रदान करने के लिए कई पहलें की हैं। इन पहलों में शामिल हैं :

i. राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य और तंत्रिका विज्ञान संस्थान, बैंगलुरु द्वारा "कोविड-19 महामारी के समय में मानसिक स्वास्थ्य – सामान्य चिकित्सा एवं विशिष्ट मानसिक स्वास्थ्य देखभाल संस्थानों के लिए मार्गदर्शन" नामक विस्तृत दिशानिर्देश जारी किए गए और व्यापक रूप से प्रसारित किए गए हैं।

ii. सरकार ने 10 अक्टूबर 2022 को "राष्ट्रीय टेली मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम" शुरू किया है। यह कार्यक्रम जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की डिजिटल शाखा के रूप में कार्य करता है, जिसका उद्देश्य जनता के लिए समान, सुलभ, किफायती और गुणवत्तापूर्ण मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करना है। इसके तहत 24x7 टेली-मानसिक स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं प्रदान की जाती है।

iii. विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर दिनांक 10 अक्टूबर 2024, को टेली मानस मोबाइल एप्लिकेशन शुरू किया गया। यह एक समग्र मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं - मानसिक कुशलता से लेकर मानसिक विकारों के मामलों - में सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से विकसित किया गया है।

iv. प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा स्तर पर मानसिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं का एकीकरण करना। आयुष्मान भारत- आयुष्मान आरोग्य मंदिर के तहत प्रदान की जाने वाली समग्र प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के पैकेज में मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को शामिल किया गया है,

v. "मानसिक स्वास्थ्य के समर्थन के लिए प्रयास करने, मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के बारे में जागरूकता फैलाने और मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक कलंक के विरुद्ध आवाज उठाने के लिए हर साल 10 अक्टूबर को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है।"

*****